मोहयाल मित्र

पद्म श्री ब्रिगेडियर (डॉ.) कपिल मोहन : विनम्र श्रद्धांजलि

16 जनवरी 2018 को देश–विदेश से आए सगे–संबंधियों, मोहयालों, परिचितों और शुभचिंतकों ने स्वर्गीय पद्म श्री ब्रिगेडियर (डॉ.) कपिल मोहन को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका निधन 6 जनवरी 2018 को उनके निवास पर हुआ। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए 16 जनवरी 2018 को मोहन मीकिंस, मोहन नगर (गाजियाबाद) परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था।

वे मोहन मीकिंस लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर थे। वे पद्म श्री सुप्रसिद्ध उद्योगपति एन.एन. मोहन के पुत्र थे जिन्होंने मोहन मीकिन लिमिटेड की स्थापना की थी। स्वर्गीय पद्म भूषण कर्नल वी.आर. मोहन, स्वर्गीय श्री सुखदेव मोहन उनके भाई थे। उनकी बहन श्रीमती नीता बाली सुप्रसिद्ध उद्योगपति और जनरल मोहयाल सभा अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली की पत्नी हैं।

पद्म श्री ब्रिगेडियर (डॉ.) कपिल मोहन का जन्म 16 जुलाई 1929 को रावलपिंडी में हुआ था। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् उन्होंने अपने प्रतिष्ठित उद्योगपति पिता और ऊर्जावान बड़े भाई के साथ कंपनी को व्यापक और विस्तृत रूप देने की योजना में लग गए। सन् 1973 में उनके बड़े भाई का 47 वर्ष की आयु में अचानक निधन हो गया। उनके निधन के कारण मोहन मीकिन कंपनी का सारा उत्तरदायित्व उन पर आ गया। उन्होंने अंतिम क्षणों तक इसका कुशलता से निर्वाह किया और कंपनी के कार्य को उच्च शिखरों तक पहुँचा दिया।

पद्म श्री ब्रिगेडियर (डॉ.) कपिल मोहन समर्पित मोहयाल थे। वे जनरल मोहयाल सभा के संरक्षक थे। वे मोहयालियत की भावना से ओत–प्रोत थे। अपनी विभिन्न व्यस्तताओं के मध्य वे 'टेरिटोरियल आर्मी' में कार्य करने लगे। सेना की सेवाओं के साथ–साथ उन्होंने अनेक कोर्स किए। उन्होंने शूटिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी वीरता और निर्भयता का प्रमाण उस समय मिला जब उन्होंने 10 अप्रैल 1993 को लखनऊ से दिल्ली आ रहे वायुयान का अपहरण करने वाले चार अपहरणकर्ताओं को दबोचकर 52 विमान–यात्रियों की रक्षा की।

वे आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में भी सक्रिय थे। वे माता वैष्णो देवी के सच्चे भक्त थे। माँ दुर्गा का ही आशीर्वाद था कि जीवन में सफलताओं के शिखरों तक पहुँचे थे। उद्योगपति होने पर भी वे सदा रुद्राक्ष–माला धारण करते थे। उन्होंने जब–जब समय मिलता वे माता के जागरणों–कीर्तनों में भाग लेते थे। जब तन्मय होकर माती की भेंटें गाते थे तो श्रोता मंत्र–मुग्ध हो जाते थे। उनके मुख पर माता के आशीर्वाद का तेज देखा जा सकता था। उन्होंने मोहन नगर और अन्य अनेक स्थानों पर मंदिर बनवाए। सोलन (हिमाचल प्रदेश) में उनके द्वारा बनवाया माता दुर्गा मंदिर जो मोहन शक्ति नेशनल हेरिटेज पार्क में बना है, वास्तुशिल्प के अद्भुत सौंदर्य का साक्षात् प्रमाण है। इस मंदिर के निर्माण में 20 वर्ष लग गए। उनके द्वारा किए गए ये कार्य उन्हें सदा अमर रखेंगे। संसार में व्यक्ति आते हैं और चले जाते हैं। कुछ महान लोग होते हैं जिनके चले जाने पर भी उनके कार्य उन्हें सदा जीवित रखते हैं। ब्रिगेडियर कपिल मोहन ऐसे महान व्यक्ति थे।

उनके निधन पर जनरल मोहयाल की प्रबंधक–समिति के समस्त सदस्य, संपूर्ण मोहयाल बिरादरी उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है और उनके परिवार के सदस्यों श्रीमती पुष्पा मोहन, श्रीमती नीता बाली और रायज़ादा बी. डी. बाली, श्री राकेश मोहन, श्री हेमंत मोहन, श्री विनय मोहन, श्री पंकज मोहन और पद्म श्री राकेश बक्शी के प्रति संवेदनाएँ प्रकट करती है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें और परिवारजन को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति दें। ॐ शांति ! शांति !! शांति !!!

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भूला बिसरा बलिदान

मोहयाल ब्राह्मणों के बलिदान का संपूर्ण मूल्यांकन

■ **डॉ. महीप सिंह**

डॉ. महीप सिंह संपादक, कहानीकार, उपन्यासकार और खालसा कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफ़ेसर थे। उन्होंने मोहयालों की वीरता और गुरु तेगबहादुर जी के साथ भाई मतिदास, भाई सतीदास और भाई दयाला के बलिदान पर लेख लिखा था। यह दैनिक जागरण के 9 दिसंबर 2004 अंक में प्रकाशित हुआ था। हम इसे पुनः 'मोहयाल मित्र में प्रकाशित कर रहे हैं।

दिल्ली के चाँदनी चौक में एक स्थान है जिसे फोहारा कहा जाता है। उस स्थान का नाम अब भाई मतिदास चौक है। उसके सामने गुरुद्वारा शीशगंज है। मुगल राज्य के समय यहाँ कोतवाली हुआ करती थी। नौवें गुरु गुरू तेगबहादुर और उनके तीन साथी, भाई मतिदास, भाई सीतदास और भाई दयाला रोपड़ से बंदी बनाकर दिल्ली लाए गए थे। उन्हें इसी कोतवाली में कैद किया गया था। मुगल राज के काजी ने सभी के सम्मुख तीन बातें रखी थीं। अपना धर्म परिवर्तित कर लो, कोई करामात दिखाओ और यदि **यह** स्वीकार नहीं तो मृत्यु स्वीकार करो। सभी ने तीसरी बात को स्वीकार कर लिया। सबसे पहले भाई मतिदास की परीक्षा हुई। उन्हें कोतवाली से निकाल कर फोहारा चौक पर लाया गया। काजी ने फिर वही बातें दोहराई। भाई मतिदस अपने निश्चय पर दृढ़ रहे। शाही हुक्म हुआ था कि उन्हें खड़े–खड़े आरे से चीर दिया जाए। इस क्रम में दूसरा नाम भाई दयाला का था। उन्हें उबलते हुए पानी के कढ़ाव में डालकर मृत्यु दी गई। फिर भाई सतिदास के रुई में लपेट कर आग लगा दी गई।

इन तीनों के बलिदान के पश्चात 11 नवंबर 1675 को गुरु तेगबहादुर के कोतवाली में एक वृक्ष के नीचे बैठाकर सिर काटकर मृत्यु की नींद सुला दिया गया। **यह** सारी घटना इतिहास प्रसिद्ध है। मैं थोड़ी सी चर्चा भाई मतिदास, सति दास और वंश परंपरा की करना चाहता हूँ। दोनों भाइयों का जन्म सारस्वत मोहयाल ब्राह्मणों की छिब्बर जाति में हुआ था। इनकी परंपरा **यह** स्वीकार करती है कि मूल रूप से मोहयाल ब्राह्मण सिंध शासक थे। सातवीं सदी में इसी वंश के राजा चच के पश्चात् उनके पुत्र राजा दाहिर के समय अरब आक्रांता मोहम्मद–बिन–कासिम का आक्रमण हुआ। उसमें राजा दाहिर की पराजय हुई। उसके पश्चात मोहयाल वंश पंजाब आ गया और जिला जेहलम की चकवाल तहसील में करियाला स्थान इसका केंद्र बन गया। गुरु नानकदेव द्वारा स्थापित सिख परंपरा से वंश का संबंध परागा (बाबा परागा) के माध्यम से हुआ। गुरुओं के प्रति उनकी श्रद्धा और सेवाभाव के कारण गुरु दरबारा में उनका बड़ा सम्मान था। छठे गुरु–गुरु हरिगोविंद के समय संपूर्ण सिख आंदोलन ने नया रूप ग्रहण करना प्रारम्भ कर दिया था। गुरु हरगोविंद ने एक अच्छी प्रशिक्षित सेना खड़ी कर ली थी। शाहजहाँ के शासन काल में इस सेना के मुगल सेनाओं के साथ कुछ युद्ध भी हुए थे। इन युद्धों में बाबा परागा ने अपना युद्ध कौशल भी प्रदर्शित किया था और वीरगति प्राप्त की थी।

बाबा परागा के पश्चात उनके पुत्र द्वारका दास छिब्बर को गुरु हरिगोविंद ने अपना दीवान नियुक्त कर दिया था। गुरु दरबारा की संपूर्ण व्यवस्था का दायित्व दीवान पर होता था। फिर कई पीढ़ियों तक दीवान का पद छिब्बर परिवार में ही रहा। सिख–परिवेश में 'भाई' बहुत सम्मानित शब्द रहा है। गुरु गोविंद सिंह के समय से ही **यह** सम्मान छिब्बर परिवार के साथ जुड़ गया था, जो आज तक जुड़ा हुआ है। छिब्बर परिवार के अनेक सदस्य गुरु–घर से जुड़े हुए थे। भाई मतिदास के चाचा भाई दरगाह मल सातवें गुरु–गुरु हरिराय और आठवें गुरु–गुरु हरिकृष्ण के दीवान थे। गुरु तेगबहादुर ने भाई मतिदास को अपना दीवान नियुक्त किया था। भाई मतिदास के भतीजे साहब चंद और भाई धर्म चंद गुरु गोविंद सिंह के दीवान थे। इस परिवार की बलिदानी परंपरा अद्भुत है। दीवान साहब चंद ने गुरु गोविंद सिंह के मुगलों से हुए युद्ध में वीरगति प्राप्त की। दीवान साहब चंद के पुत्र दीवान गुरुबख्श सिंह ने उस समय अपनी शहादत दी जब अहमदशाह अब्दाली ने हरिमंदिर अमृतसर पर आक्रमण किया था।

अन्याय का विरोध और अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देना मोहयाल वंश की परंपरा का एक अभिन्न अंग बन गया। अंग्रेजों के शासन काल में कांग्रेस की स्थापना के पश्चात उसमें दो विचारधारा उभर आई। एक विचारधारा गरमपंथियों की थी, जो विदेशी सरकार का विरोध बहुत मुखर होकर करते थे। इस वर्ग के नेता बाल गंगाधर तिलक थे। दूसरे पक्ष के नेता महादेव गोविंद रानडे थे, जो अग्रेंजी, राज्य में भारतीयों के लिए आर्थिक अधिकार प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील रहते थे।

1909 से 1914 की अवधि में 32 ऐसी कार्रवाइयां दर्ज की गई। 1912 में वाइसराय लार्ड हार्डिंग पर दिल्ली में क्रांतिकारियों ने बम फेंका, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस बम काण्ड के लिए मास्टर अमीरचंद, अवध बिहारी और भाई बाल मुकुंद को बंदी बनाया गया और दिल्ली की डिस्ट्रिक्ट जेल में उन्हें फाँसी दे दी गई।

भाई बालमुकुंद मोहयाल छिब्बर ब्राह्मणों की उस परंपरा में थे जिसने भाई मतिदास और भाई सतिदास को जन्म सन् 1889 में ग्राम करियाला में हुआ था। 1910 में उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से बीए बीटी की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और अध्यापन कार्य प्रारंभ कर दिया था। वैवाहिक जीवन भी देशभक्ति की भावना से उन्हें विरत नहीं कर सका। वह बंगाल के सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

रासबिहारी बोस के संपर्क में आए और क्रांतिकारियों की श्रेणी में शामिल हो गए। उन दिनों लाल हरदयाल, सोहन सिंह भकना और करतार सिंह सराभा के प्रयासों से भारत की आजादी के लिए अमेरिका में एक आंदोलन प्रारंभ हुआ, जिसे गद पार्टी के रूप में स्मरण किया जाता है। इस लहर को क्रियात्मक रूप देने के लिए गदर पार्टी के बहुत से कार्यकर्ता भारत आ गए और अंग्रेजों को उखाड़ फेंकने की योजनाएं बनाने लगे। जब भाई लाला बालमुकुंद को फाँसी के तख्ते की ओर ले जाया जा रहा था, उन्होंने सिपाहियों से हाथ छुड़ा लिया और दौड़ कर सीढ़ियां चढ़ गए और अपने हाथों से फाँसी का फंदा अपने गले में डाल लिया। उनकी पत्नी रामरखी ने भी अन्न, जल का त्याग करके प्राण छोड़ दिए। इस संदर्भ में भाई परमानंद की चर्चा किए बिना बात अधूरी रहेगी। ब्रिटिश सरकार के गुप्तचर विभाग की रिपोर्ट वह थी कि भगत सिंह और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत भाई परमानंद है। अधिकांश बम विस्फोटों के पीछे उनका हाथ है।

सरकार परमानंद को भी बहुत खतरनाक व्यक्ति मानने लगी थी और किसी बहाने उन्हें दंडित करने की सोचती रहती थी। उन्हें लाहौर षडयंत्र के प्रकरण में बंदी बना लिया गया और झूठे आरोप गढ़ कर उन्हें फाँसी की सजा सुना दी गई। भाई परमानंद की इस षडयंत्र में कोई संलग्नता नहीं थी। महात्मागाँधी और मदन मोहन मालवीय जैसे नेता भी उन्हें पूरी तरह निर्दोष मानते थे। उस समय के अत्यंत सम्मानित मानवतावदी सीएफ एंड्रयूज को जब यह जानकारी मिली जो वह भाई परमानंद के परिवार से मिलने के लिए लाहौर गए। भाई परमानंद के विरुद्ध भारत रक्षा कानून के अंतगर्त 1915 में जो अभियोग चलाया गया था वह बहुत कमजोर था। उनकी बेगुनाही के संबंध में चारों ओर आवजें उठ रही थीं। सरकार ने उनकी फाँसी की सजा काले पानी के आजन्म कारावास में परिवर्तित कर दी थी। कुछ समय पश्चात वहाँ से भी उनकी रिहाई हो गई थी। बाबा परागा से लेकर परमानंद तक मोहयाल ब्राह्मणों का इतिहास वीरता, देशभक्ति और बलिदान से भरा हुआ है। ■

जन्मदिन की बधाई

मास्टर केतन शर्मा के 28.01.2018 नौवें जन्मदिन पर उसके नाना के.के. बाली एवं नानी सरोज बाली, केतन शर्मा की मम्मी श्रीमती हर्ष शर्मा एवं पापा श्री प्रमोद शर्मा, दादी श्रीमती सुरिन्द्र शर्मा ताया सोनु शर्मा, ताई सोनी शर्मा को बहुत–बहुत बधाई देते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह जिए हजारों साल, साल के दिन हो एक हज़ार तथा अपने परिवार का नाम रोशन करें। इस अवसर पर के.के. बाली ने जीएमएस को 100 रुपए भेंट किए।

साधरण रिति से— अनुज और श्रुतिका का शुभ विवाह

बारह दिसंबर 2017 को श्री एस.एन. दत्ता के पौत्र अनुज दत्ता (सुपुत्र श्री अभय दत्ता और श्रीमती अंजु सेकरी) और श्रुतिका का विवाह पठानकोट में हुआ। इसकी विशेषता विवाह–समारोह की सादगी थी। इसका श्रेय श्री एस.एन. दत्ता (दत्ता प्रेस) को जाता है। उन्होंने उसे सादगी पूर्ण ढंग से कराया। दहेज नहीं लिया गया। स्वागत–समारोह में भी सगे–संबंधियों और परिचितों, मित्रों से कोई भी उपहार आदि नहीं लिए गए।

श्री एस.एन. दत्ता के इस कदम की सभी ने बहुत सराहना की। इस शुभ अवसर पर प्रिय अनुज और श्रुतिका को विवाह–बंधन में बँधने पर बधाई और शुभकामनाएँ! श्री एस.एन. दत्ता और परिवारजन को बहुत–बहुत बधाई।

इस शुभअवसर पर दत्ता परिवार की ओर से जी.एम.एस. को 5100/- रुपए भेंट किए।

महाशिवरात्री

महाशिवरात्रि व्रत फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि अर्थात् फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की चौदह तारीख को किया जाता है। शिव का अर्थ कल्याण करने वाला। चतुर्दशी तिथि के स्वामी भी शिव ही हैं। वैसे तो प्रत्येक मास की कृष्ण चतुर्दशी शिवरात्रि के रूप में मनायी जाती है। किन्तु फाल्गुन की चुतर्दशी आना एक विशेष महत्व रखती है। इस तिथि को भगवान शिव अर्ध रात्रि को ज्योतिर्मय लिंग स्वरूप हो गए थे। इसलिए यह तिथि महाशिवरात्रि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

व्रत विधि कई प्रकार से होती है किन्तु सर्वसाधारण के लिए विधियाँः रात्रि के आरम्भ में तथा मध्यरात्रि में भगवान शिव का पूजन करके व्रत पूर्ण कर सकते हैं। या पूरे दिन व्रत रखकर सांयकाल पूजा करके व्रत पूर्ण किया जा सकता हैं। (भद्रा आदि का ध्यान रखे) भद्रा में व्रत न खोले। इससे भगवान शिव की भक्त पर कृपा सदैव बनी रहती हैं। जीवन में सुख व ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। शिवरात्रि पर्व पर रात्रि जागरण से महापुण्य की प्राप्ति होती हैं। इस दिन साधना एवं गुरुमन्त्र दीक्षा आदि के लिए विशेष सिद्धिदायक मुहुर्त होता है। इस दिन दान पुण्य पूजा आदि का विशेष फल प्राप्त होता हैं।

पूजन विधिः शिवरात्रि को प्रदोषकाल (रात्रि का आरम्भ) में या अर्धरात्रि के समय शुद्ध अवस्था में पारद (पारा) या स्फाटिक शिवलिंग की स्थापना करके सर्वप्रथम गंगाजल मिले जब मिले जल से स्नान करायें। फिर दूध, दही, घी, शक्कर से क्रमानुसार स्नान कराकर चन्दन लगाएँ फिर फूल बेल पत्र (बेल पत्र सदैव उल्टा चढ़ाते हैं) आदि अर्पित करके धूप दीप से पूजन करें। निम्न मन्त्रों में से किसी एक मंत्र की माला यदि प्रतिदिन जाप करें तो लाभकारी होगा। माला रुद्राक्ष या स्फाटिक की ही लें :

(1) ऊँ नमः शिवाय (2) ''ऊँ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिण बन्धनान् मृत्योमुक्षीय मामृतात्''।।

नोटः इस दिन रुद्राक्ष धारण करना भी लाभकारी होता हैं।

लेखकः ***विरेन्द्र छिब्बर,*** *ज्योतिष आचार्य (9818094655)*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्थानीय मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

अलवर

मोहयाल सभा अलवर की इस साल की मासिक बैठक दिनांक 7.01.2018 को प्रधान श्री राजीव बक्शी जी की अध्यक्षता में मोहयाल सभा अलवर के सीनियर वाईस प्रेसीडेंट डॉ. दलजीत सिंह बाली जी के आकांक्षा कुंज स्थित निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। 32 सदस्य व दो बच्चे मीटिंग में शामिल हुए। आकांक्षा बाली द्वारा मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई। चीफ गेस्ट श्रीमती बीना बक्शी जी को बनाया गया जिनका स्वागत श्रीमती निषि बाली जी के द्वारा फूल माला पहनाकर किया गया संरक्षक श्री रोशन लाल बक्शी जी के द्वारा सभी को नवर्ष की शुभकामना दी गई।

उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार दत्ता जी के द्वारा प्रधान श्री राजीव बक्शी जी का शॉल पहनाकर स्वागत किया गया। राजीव बक्शी जी के द्वारा सभी को नवर्ष की शुभकामना दी गई व प्रधान राजीव बक्शी जी द्वारा मोहयाल सभा अलवर का पैन कार्ड बनाकर बैंक में जल्दी खाता खोला जाएगा। उपाध्यक्ष सुनील मेहता, विजय कुमार दत्ता, चंद्रमोहन वैद व सेक्रेटरी संजीव कुमार दत्ता, प्रवक्ता एन.के. वैद व कोषाध्यक्ष गिरराज बाली द्वारा सभी को नवर्ष की शुभकामना दी गई।

1. जनरल सेक्रेटरी राजेश कुमार दत्ता द्वारा 100 रु. प्रतिमाह व प्रति घर से प्रस्ताव की सूचना दी गई। जिसका बिरादरी द्वारा समर्थन किया गया। सर्वप्रथम संरक्षक रोशनलाल बक्शी द्वारा कोषाध्यक्ष को 1200 रु. दिए गए। सभा के पास 6100 रु. का फंड इकट्ठा हुआ जो कि कोषाध्यक्ष को जमा करा दिया गया।

2. संरक्षक राजकुमार बक्शी जी के द्वारा विचार रखा गया कि हर मीटिंग में आय का ब्यौरा रखा जाना चाहिए। संरक्षक रोशनलाल बक्शी द्वारा जो भी प्रतिनिधि मीटिंग में जाएँगे वे स्वयं के खर्चे से जाएँगे। जिसका सभी ने स्वागत किया।

3. संजीव कुमार दत्ता, विजय कुमार दत्ता, रीता मेहता व एन. के. वैद द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि ज़रूरतमंद विधवाओं और गरीब परिवारों को मासिक पेंशन के फ़ार्म जीएमएस को भेजे जाएँगे जिससे जी.एम.एस द्वारा इनको सहायता मिल सके।

अंत में गायत्री मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ। संरक्षक रोशनलाल बक्शी द्वारा सबको धन्यवाद दिया गया।

अलवर बिरादरी सर्वप्रथम हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली साहब एवं श्री जीएमएस सेक्रेटरी जनरल कर्नल वैद साहब एवं संबंधित समस्त कार्यकारिणी मेहमान और मेजबान सभी का आभार प्रकट करती है जिन्होंने अलवर मोहयाल सभा का रजिस्ट्रेशन/मान्यता मंजूर की आज दिनांक 7 जनवरी 2018 में मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग डॉ. दलजीत सिंह बाली के निवास स्थान आकांक्षा भवन काला कुआँ अलवर में की गई। जिसमें समस्त मेहमान एवं मेजबान कार्यकारिणी मौजूद थी। बिरादरी की बैठक में मुख्य अतिथि श्रीमती बीना बक्शी धर्मपत्नी श्री रोशनलाल बक्शी की अगुवाई में मीटिंग प्रारंभ की गई जिनको श्रीमती नीशा बाली धर्मपत्नी डॉ. दलजीत सिंह बाली ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया जिनके साथ श्रीमती चंचल वैद श्रीमती इंदु बाली, श्रीमती रमा बक्शी, श्रीमती रीता मेहता, श्रीमती शशि दत्ता, यूथ विंग से कुमारी आकांक्षा बाली, कुमारी महिमा दत्त इत्यादि महिलाएँ मौजूद रहीं।

अध्यक्ष श्री राजीव बक्शी, अलवर जिला महासचिव राजेश कुमार दत्त, कोषाध्यक्ष श्री गिरिराज बाली, सीनियर उपाध्यक्ष डॉ. दलजीत सिंह बाली, उपाध्यक्ष चंद्रमोहन वैद, उपाध्यक्ष विजय कुमार दत्ता, उपाध्यक्ष सुनील मेहता, ज्वांइट सेक्रेटरी यूथ एंड कल्चर केवल वैद, मीडिया प्रभारी अंकित दत्ता, प्रवक्ता एन.के. वैद, सहायक सैक्रेटरी संजीव दत्ता, संरक्षक श्री रोशन लाल बक्शी, श्री राजकुमार बक्शी, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद बक्शी, राजेश बक्शी इत्यादि मेहमान और मेजबान लोग शामिल रहे।

महासचिव रोजश कुमार दत्ता ने बिरादरी के सामने सर्वसम्मति से कुछ बिंदुओं पर चर्चा की। अलवर के अंदर बिरादरी को एकजुट किया जाना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा संख्या में बिरादरी के लोगों की मीटिंग में हाजिरी होनी चाहिए। अलवर बिरादरी के द्वारा प्रत्येक घर से सौ रुपए राशि इकट्ठा किया जाना बहुत जरूरी है ताकि आर्थिक मजबूती मिल सके। जिसमें जो लोग गरीब और जरूरतमंद है उन परिवारों से पैसा इकट्ठा नहीं किया जाएगा। जरूरतमंदों लोगों को जीएमएस द्वारा आर्थिक सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सभी को मिल–जुल कर रहने की ज़रूरत है। एकता में बल होता है। संगठन ही शक्ति है ताकि अन्य समाज की तरह हमारी विशेष पहचान बन सके। उसके बाद सर्वसहमति से बिरादरी की मौजूदगी में बिल को पास किया गया। सभी बिरादरी के लोगों ने अपनी सहमति जताई। इसके बाद चाय नाश्ता डॉ. दलजीत सिंह बाली के द्वारा वितरण किया गया। संपूर्ण बिरादरी ने उनका आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। मीटिंग समाप्ति की अंतिम घोषणा अध्यक्ष श्री राजीव बक्शी के द्वारा की गई।

राजीव बक्शी, *प्रधान* — *9783301999*

राजेश कुमार दत्त, *महासचिव* — *8239022878*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 7.01.2018 को सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी के निवास स्थान में सरदार हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता बराड़ा में सम्पन्न हुई। गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाल प्रार्थना के बाद सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

ज्यादा ठंड के कारण अधिक भाई–बहन मीटिंग में भाग नहीं ले सके, प्रधान जी ने सभी मोहयाल बहन–भाइयों को नववर्ष, लोहड़ी व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं, और एक बार फिर सभा में यह चर्चा की गई कि मोहयालों की कुल देवियों व कुल गुरु कौन से हैं, कृपया इसके बारे में विस्तार से प्रकाशित किया जाए। इस विषय के बारे में पहले भी प्रकाशित किया था। अंत में सभी सदस्यों ने श्री बलदेव सिंह दत्ता को जलपान के लिए धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 9466213488

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 7 जनवरी 2018 को प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 55 मोहयाल भाई–बहन उपस्थित हुए। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात–

शोकः श्री प्रमोद दत्ता जी के फूफा जी श्री ओम प्रकाश मेहता का स्वर्गवास 5 दिसंबर 2017 को हुआ।

श्री मिथलेश दत्ता जी के समधी श्री एस.के. मेहता (छिब्बर), का देहांत 3 जनवरी 2018 को कालकाजी नई दिल्ली में हुआ।

रायज़ादा बी.डी. बाली जी पत्नी श्रीमती नीता बाली जी के भाई श्री कपिल मोहन, जिनका स्वर्गवास 6 जनवरी 2018 को हुआ। सभी आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। इस अवसर पर डॉ. पुनीता हसीजा (मोहन) जी, व श्री बलराम दत्ता जी (प्रेसीडेंट एम.एस. धर्मशाला हिमाचल प्रदेश) उपस्थित थे। श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि डॉ. पुनीता हसीजा (मोहन) जोकि पिछले करीब 30 वर्षों से महिला चिकित्सक के रूप में ''आकृति नर्सिंग होम'' चला रही हैं और हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि इस वर्ष आईएमए फरीदाबाद शाखा की सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनी गई हैं। सभी उपस्थितजनों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया व श्रीमती सुमन दत्ता जी व श्रीमती नागेन्द्र दत्ता जी ने फूलों का गुलदस्ता देकर उन्हें सम्मानित किया। डॉ. पुनीता हसीजा (मोहन) ने सभी का धन्यवाद किया व आश्वासन दिया कि अगर किसी भी मोहयाल भाई बहन को चिकित्सक परामर्श की आवश्यकता हो, तो वे 24 घंटे उनकी सहायता के लिए तैयार हैं। उन्होंने श्री रमेश दत्ता जी, श्री प्रमोद दत्ता जी, श्री सुनील दत्ता जी व समस्त कार्यकारिणी का उन्हें इतना सम्मान देने के लिए धन्यवाद किया।

इस अवसर पर निम्न राशि एकत्र की गई–

डॉ. पुनीता हसीजा (मोहन) ने 2100 रुपए लोकल सभा को व श्री उमेश मेहता जी ने अपने पिताजी स्व. श्री ओम प्रकाश मेहता की याद में 250 रु. एमएस फरीदाबाद को भेंट किए।

इस अवसर पर श्रीमती बाला बाली जी, श्रीमती सुमन दत्ता जी, श्रीमती नागेन्द्र दत्ता जी, श्रीमती किम्मी दत्ता, श्रीमती मनु वैद व श्री विशाल बाली जी ने सुंदर गीत व भजन प्रस्तुत किए।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने सभी को बताया कि श्री रमेश दत्ता जी व श्रीमती सुमन दत्ता जी के पौत्र उज्ज्वल दत्ता सुपुत्र श्री ध्रुव दत्ता जी व श्रीमती किम्मी दत्ता जी का जन्मदिन 2 जनवरी को था। आज के भोजन की व्यवस्था श्रीमती सुमन दत्ता जी द्वारा की गई है। सभी ने उनको बधाई दी व स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

अगली मीटिंग 4 फरवरी 2018 को मोहयाल भवन में होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो. 9212557095

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899068573

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र की मासिक मीटिंग 7 जनवरी 2018 प्रधान संतोष वैद की अध्यक्षता में मोहयाल प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई।

शोक समाचारः श्री स्नेह छिब्बर जी की धर्मपत्नी की आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया गया व दो मिनट का मौन रखा गया।

प्रधान जी ने सभी सदस्यों को मोहयाल प्रेसीडेंट, सेक्रेटरी मीटिंग के बारे में बताया तथा सभी स सुझाव माँगे। सभा में

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

यह निर्णय लिया गया के मोहयाल मीटिंग हर एक महिना छोड़ कर की जाएगी। सभा में संगठन को बढ़ाने के लिए हकीकत वैद जी व दुष्यंत बक्शी ने अपने सुझाव रखे। सभा में सभी सदस्यों ने वार्षिक सदस्यता फीस दी व श्रीमती आदर्श बाली नई सदस्य शामिल हुई। श्री सूरज बाली जी जो काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे का मीटिंग में आने पर प्रधान संतोष वैद जी व सेक्रेटरी मोहिंदर बक्शी जी ने स्वागत किया। अगली मीटिंग 4 फरवरी 2018 को ब्राह्मण धर्मशाला में होगी। शांति पाठ के साथ सभा का समापन हुआ।

संतोष वैद, *प्रधान*

नजफगढ़, नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 7.01.2018 को प्रधान श्री शेर जंग बाली जी की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता सचिव के निवास स्थान दत्ता प्लाजा 22, ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़, नई दिल्ली में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 26 भाई बहनों ने भाग लिया।

सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शोक समाचारः 1) श्वेता बक्शी का निधन 04.01.2018 को नजफगढ़ में हुआ, वह विनोद कुमार बाली जी की पुत्री थी।

2) श्वेता छिब्बर का निधन 25.12.2017 को नजफगढ़ में हुआ, वह प्रकाश रानी छिब्बर की पुत्र वधू थीं।

सभी सदस्यों ने श्वेता बक्शी एवं श्वेता छिब्बर की आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की एवं परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

प्रधान जी ने अपनी व सभा की ओर से नववर्ष 2018 की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जनरल मोहयाल सभा से नीलिमा दत्ता मेहता नजफगढ़ आईं और विधवाओं से मिली और उनके घर में भी गईं।

नम्रता दत्ता जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें, ताकि बिरादरी में मेल–जोल बना रहे।

सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया। अगली बैठक 4 फरवरी 2018 को हर्ष दत्ता जी के निवास स्थान दत्ता प्लाजा, ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 में प्रातः 10:30 बजे होगी, सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है।

शेर जंग बाली, *प्रधान*
मो. 9871756765

हर्ष दत्ता, *सचिव*
मो. 9312174583

अंबाला कैंट

सभा की मीटिंग 24.12.2017 (शिवप्रताप नगर निवास स्थान श्री नरेश वैद) को हुई, जिसमें 12 मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया। प्रधान श्री नरेश वैदजी ने सभा की अध्यक्षता की। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद, स्व. श्री दिनेश वैद पुत्र एम.एस. वैद (75 अग्रवाल कम्प्लैक्स) जिनका देहांत 19 अक्तूबर 2017 को हो गया, उनकी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि हेतु सदन ने दो मिनट का मौन रखा तथा प्रभु से आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

स्वास्थ्य कामनाः श्री इन्द्रराज छिब्बर पूर्व सभा प्रधान व उनकी पत्नी कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं तथा 19.02.2017 को वह ईलाज के लिए अपने बेटे श्री सुधीर जी के पास दिल्ली चले गए हैं उनके शीघ्र ठीक होने की कामना की गई।

सदस्यों को बताया गया कि वर्ष 2018 के लिए 'मोहयाल मित्र' तथा जी.एम.एस. की वार्षिक सदस्यता फीस जमा की जाए ताकि समय पर दिल्ली मोहयाल फाउंडेशन भेजा जा सके।

श्रीमती स्नेह लता ने व्यक्त किया कि उनकी विधवा पेंशन नहीं आ रही, हालांकि उसने प्रार्थना पत्र में त्रुटि को सुधार करके तीन बार सभा द्वारा जीएमएस को भेजा गया है। उसे बताया गया कि जीएमएस सेक्रेटरी फाइनेंस श्री एस.के.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

छिब्बर जी से संपर्क नहीं हो पा रहा। शीघ्र ही कारण का पता करके बता दिया जाएगा।

अगली मासिक मीटिंग श्री डी.वी. बाली जी ने अपने निवास स्थान पर करने का आग्रह किया। नववर्ष की शुभकामनाओं व जय मोहयाल के नारों के साथ सभा समाप्त हुई।

नरेश वैद, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो. 9416754889 *मो. 9896102843*

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप की मासिक बैठक 7 जनवरी को सतपाल दत्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई। बैठक में श्री जगदीश मित्र दत्ता (निवासी ग्रीन पार्क यमुनानगर) एवं मधु दत्ता की 50वीं वर्षगांठ मनाने के संबंध में सभा द्वारा उनको शुभकामनाएँ दीं गईं। दत्ता परिवार ने मोहयाल सभा को 1100 रुपए भेंट किए। सभा के सदस्यों ने नवर्ष की एक दूसरे को मुबारकबाद दी साथ ही लोहड़ी की भी खुशी मनाई गई और रेवड़ी बाँटी गईं। बैठक में सदस्यों ने कहा कि जिन मोहयालों का मोहयाल मित्र का वार्षिक चंदा जमा नहीं हुआ वह 200 रु. जमा करवा दें ताकि पत्रिका मिलनी बंद ना हो।

शोक समाचारः श्री ओम प्रकाश बाली जी का निधन हो गया जो लक्ष्मीनगर दिल्ली के रहने वाले थे। वे जगाधरी वर्कशॉप मोहयाल सभा के कोषाध्यक्ष श्री अश्वनी बाली जी के चाचा जी थे। श्रीमती रोहिणी मेहता जी का निधन अंबाला में हो गया। वे श्री विजय मेहता, पुष्पा मेहता की पुत्रवधू थीं। उन्होंने सभा को सौ रुपए दान दिए। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

सभा के अंत में शांति पाठ का आयोजन किया गया और उसके बाद जय मोहयाल के नारे लगाए गए। सभा की अगली बैठक आई.टी.आई. जंज घर में होगी।

सुरेंद्र मेहता, *महासचिव*
मो. 9355310880

उत्तमनगर, नई दिल्ली

सभा की जनवरी मास की मासिक बैठक 7 जनवरी को सुबह 11 बजे प्रधान श्री एस.पी. वैद जी के निवास स्थान में हुई। वैद जी की पोती रीनेशा द्वारा 'केक' काटकर एक दूसरे को नव वर्ष मुबारकबाद दी। हमने सभा में उन महिलाओं को भी बुलाया था जो जीएमएस द्वारा विधवा पेंशन लेती हैं। हालांकि उनकी उपस्थिति केवल 4 थी फिर भी उनको सभा के अन्य सदस्यों से मिलकर खुशी हुई।

सभा में इन नए वर्ष के कार्यों की रूप रेखा बनाई गई। मोहयालों द्वारा अपनी सभा के प्रति घटती रुचि चर्चा का विषय रही इसलिए वैद जी ने बड़ी गंभीरता से इसको ध्यान में रखते हुए विनीत छिब्बर, संजय बक्शी और गौरव वैद को यह जिम्मेदारी दी कि वे महीने में एक बार अपने क्षेत्र में अधिकतम मोहयालों से मिलकर उनसे सभा के लिए नये–नये सुझाव लें और मिलकर जानें कि किस–किसकी क्या समस्याएँ हैं और कहा जाएँ कि समय निकालकर सभा की मासिक बैठक में अवश्य भाग लिया करें। सबको बताऐं कि वे सभा के साथ जुड़कर रहे और स्वर्गीय गीता प्रकाश छिब्बर द्वारा रखी गई उत्तम नगर सभा की नींव को मजबूत करें। कुछेक मोहयाल सभा को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं मगर हमने मिलकर उनके द्वारा किए गए प्रयास को प्रगति की ओर अग्रसर रखना है।

पिछले वर्ष किए गए कार्यों की चर्चा हुई। सबने माना कि पिछले साल हमारी सभा का जी.एम.एस में बहुत कम योगदान रहा। अब हर महीने की रिपोर्ट बनाकर उसको भेजने की जिम्मेदारी श्री संजय बक्शी को दी गई।

अगले महीने की बैठक विनीत छिब्बर के निवास स्थान में होगी। लोहड़ी और मकर संक्रांति की शुभकामनाओं के साथ सभा की बैठक पूर्ण हुई।

संजय बक्शी, *वरिष्ठ उपाध्यक्ष*
मो. 9811008335

महिला मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 14.012018 को प्रधान श्रीमती सविता मेहता जी की अध्यक्षता में श्रीमती दीपिका मोहन के निवास स्थान पर हुई। प्रार्थना और गायत्री मंत्र के साथ सभा की शुरुआत हुई। फिर सभी ने एक दूसरे को लोहड़ी और मकर संक्रांति बधाई दी। दीपिका मोहन जी ने सभी को लोहड़ी, मकर संक्रांति का सुंदर–सा उपहार भी दिया।

अंत में सभी ने स्वादिष्ट जलपान का आनंद लिया और दीपिका मोहन जी का धन्यवाद किया।

अर्चना दत्ता, *सचिव*
मो. 8755398813

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर की मासिक बैठक 6.01.2018 को श्रीमती वीना वैद के निवास स्थान पर हुई। मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। मीटिंग में सभी बहनों ने भाग लिया, गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई।

मीटिंग में सबसे पहले बहनो ने एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं और मोहयाल सभा के लिए मंगलकामना की। मोहयाल बिरादरी ऐसे ही कार्य करती रहे।

मीटिंग में मासिक चंदा इकट्ठा किया गया। श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती सुनीता दत्ता और श्रीमती विजयलक्ष्मी ने अपने–अपने विचार रखे। सभी बहनों ने लोहड़ी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ रायज़ादा बी.डी. बाली और जीएमएस के सभी सदस्यों को भेजीं। सभी मोहयाल भाइयों, बहनों और बच्चों को नवर्ष, लोहड़ी और मकर संक्रांत की शुभकामनाएँ।

श्रीमती निशा मोहन और श्री विपिन मोहन (प्रधान यमुनानगर) ने अपने बेटे के विवाह की खुशी में स्त्री सभा को 1100 रुपए भेंट किए। भगवान उनकी जोड़ी बनाए रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती प्रवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732 226799

दादी जी की याद में

दादा–दादी की जहाँ असल से सूद प्यारा होता है वहीं दूसरी ओर बच्चों के लिए अपने दादा–दादी का प्यार सबसे अलग होता है। घर में चाहे ही आपके कितने नाम हों पर दादी का दिया एक नाम जो सबसे ज्यादा स्पेशल होता है। उनका लाड–प्यार उनकी चिंता सबसे अलग होती है। उनके लाड से घर में हुकुमत चलती है। पोते–पोतियों की। कुछ भी कर लें पता दादी हमें सबसे बचा लेगी। ऐसी ही थी हमारी दादी स्वर्गीय श्रीमती यशोदा देवी जिनके प्यार में हमें बहुत सी खुशियां भी मिलीं और उनके तजुर्बों ने हमें जीवन में बहुत कुछ सिखाया भी। आज चाहे हमारे बीच हमारी दादी जी नहीं पर उनका आशीर्वाद हमेशा रहेगा।

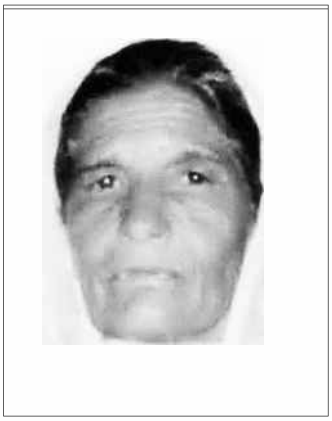

13 दिसंबर 2017 को उनकी पहली बरसी हवन और लंगर प्रसाद के साथ पूरी हुई। जहाँ हमने मिलकर अपनी दादीजी को श्रद्धांजलि दी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

प्रिया बाली *(9873992880)*

श्री प्रेम मेहता का निधन

श्री प्रेम मेहता (सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर मेहता जी का निधन 16 दिसंबर 2017 को उनके निवास स्थान एच–35 कीर्तिनगर दिल्ली में हो गया। उठाला–रस्म 26 दिसंबर 2017 को श्री सनातन धर्म मंदिर कीर्तिनगर, नई दिल्ली में हुई। वे अपने पीछे परिवार में धर्मपत्नी सुनीता मेहता, सुपुत्र लवनीश मेहता व पुत्री सान्या मेहता, पुत्रवधू व पौत्री रियम मेहता को छोड़कर गए हैं।

चिट्ठी न कोई संदेश कहा तुम चले गए।–सुनीता मेहता

श्री दीनानाथ मेहता का निधन

स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश मेहता पुत्र स्व. श्री दीनानाथ मेहता (गाँव करीमपुर, लाहौर पाकिस्तान) का स्वर्गवास 5 दिसंबर 2017 को उनके निवास स्थान सेक्टर 18 फरीदाबाद में हुआ। उनके परिवार में उनके पुत्र उमेश मेहता, पुत्रवधू श्रीमती पूनम मेहता व पौत्र गौतम मेहता हैं। वे श्री प्रमोद दत्ता जी के फूफा जी थे। उनकी याद में उनके पुत्र श्री उमेश मेहता ने जीएमएस व फरीदाबाद मोहयाल सभा को 250–250 रुपए भेंट किए। परमात्मा उनकी आत्मा को शांति दें।

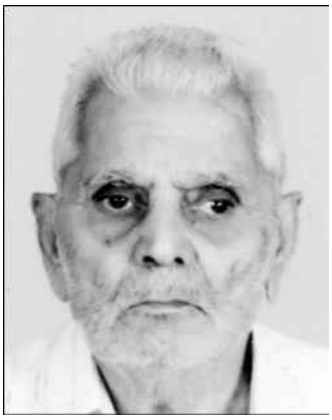

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor